27

यीशु का लहू

इफिसियों 1:7-12

''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, ...'' (इफिसियों 1:7)।

जब हम खासतौर पर यीशु के बहुमुल्य लहू पर विचार करते हैं तो ''पवित्र खामोशी'' हमारे दिलों पर छा जाती है क्योंकि हम जानते हैं कि हम पवित्र शास्त्र के ''परम पवित्र स्थान'' में प्रवेश कर रहे हैं।

बाइबल का शृंगार यीशु का लहू ही है! तथापि लोग आज उसके लहू के विषय से ही भयभीत हो जाते हैं। कइयों का दावा है कि मसीहियत को आज नये चिह्नों की आवश्यकता है। ऐसा विचार परमेश्श्वर की समझ और सुझाव पर संदेह करना है, क्योंकि परमेश्वर ने ही हमारे उद्धार के लिए अपने पुत्र यीशु का लहू चुना था! उसने अपने मेमने को पूरे इतिहास का केन्द्र बनाया (प्रकाशितवाक्य 13:8)। क्रूस ही वह स्थान है जहां हम देखते हैं कि हमारे पापों ने कैसे परमेश्वर को सबसे अधिक दु:खी किया; यही वह स्थान है जहां से हमें पता चलता है कि परमेश्वर ने हमारे साथ कितना प्रेम किया (यूहन्ना 3:16)। स्वर्ग की थियोलॉजी मसीह-केन्द्रित और लहू-केन्द्रित है।

पाप की शत्रुता

पूरी बाइबल में कोई भी पुस्तक आधुनिक सोच के साथ इतनी ज़बर्दस्त लड़ाई नहीं लड़ती, जितनी लैव्यव्यवस्था की पुस्तक। ''यह पुस्तक बाइबल में कैसे आई?'' हमें हैरानी होती है। बाइबल पढ़ते हुए हम अक्सर इस पुस्तक को छोड़ देते हैं, तथापि यह बाइबल की महत्वपूर्ण पुस्तक है। इसी में परमेश्वर ने मूसा की बलिदान की व्यवस्था का विस्तारपूर्वक विवरण दिया है। यह याजकों, बलिदानों और खून से भरी पड़ी है। व्यवस्था इस पुस्तक में पाप के अत्याधिक पापमय होने के बारे में बता रही थी (रोमियों 7:13)। इसका अर्थ है कि परमेश्वर और पाप दोनों को मिलाया नहीं जा सकता।

पाप परमेश्वर का विरोध करता है। इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हर पाप और पश्चात्तापहीन पापी को दण्ड मिलेगा। पाप किसी ईश्वरीय आदेश से भी क्षमा नहीं किया जा सकता। परमेश्वर की धार्मिकता इसे रोकती है।

पाप का डंक ही मृत्यु का डंक है (1 कुरिन्थियों 15:56)। पाप की क्षमा केवल लहू बहाए जाने से ही हो सकती है। व्यवस्था के अधीन पापों की क्षमा के लिए जानवरों का बलिदान अधिक

था (इब्रानियों 9:22)। व्यवस्था हमें मसीह अर्थात पाप की अन्तिम तथा सम्पूर्ण बलिदान तक पहुंचाने के लिए हमारी शिक्षक है (गलातियों 3:22-29; देखें रोमियों 15:4; 1 कुरिन्थियों 10:11)।

बलिदान का मूसा का पुराना ढंग, जिसमें बैलों और बकरियों का लहू चढ़ाया जाता था, पापों को उठा न सकता था (इब्रानियों 10:4)। इसके अतिरिक्त मनुष्य व्यवस्था को पूरा नहीं कर सकता था (प्रेरितों 15:8-11) और मनुष्य का लहू ही मनुष्य के पाप के लिए प्रायश्चित नहीं हो सकता। मनुष्य अपने लिए जो कुछ स्वयं नहीं कर सकता था, वह परमेश्वर ने उसके लिए कर दिया। रॉबर्ट कोलमन ने पवित्र शास्त्र में लहू के 460 विशिष्ट हवाले गिनाए।[1] बाइबल को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद कोई भी मनुष्य इस सच्चाई से इनकार नहीं कर सकता कि हमारे लिए यीशु का लहू बहाया जाना मसीहियत का आधार है। पवित्र आत्मा की गवाही है कि यीशु के लहू ने ''स्वर्ग में ब्लड बैंक'' खोल दिया है, जिसमें कभी भी खून की कमी नहीं होती। पौलुस ने कहा कि पवित्र शास्त्र के अनुसार यीशु हमारे पापों के लिए मरा (1 कुरिन्थियों 15:1-4)।

यीशु का सिद्ध लहू हमें मिलाता है (2 कुरिन्थियों 5:14-21), हमें धोता है (प्रकाशितवाक्य 1:5; 7:14), हमें छुड़ाता है (इफिसियों 1:7; 1 पतरस 1:18, 19), हमें शुद्ध करता है (1 यूहन्ना 1:7), हमें धर्मी ठहराता है (रोमियों 5:8, 9), हमें पवित्र करता है (इब्रानियों 10:10; 13:12), हमारे लिए प्रायश्चित करता है (1 यूहन्ना 2:2), हमें शान्ति देता है (इफिसियों 2:13-16; कुलुस्सियों 1:20) और हमें शैतान को विजय के योग्य बनाता है (प्रकाशितवाक्य 12:11)। हमारे पापों का वास्तविक, ऐतिहासिक, पूरा और अन्तिम भुगतान मसीह का लहू है। यूहन्ना के साथ हम कहते हैं, ''देखो, यह परमेश्वर का मेमना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है'' (यूहन्ना 1:29, 36)।

उसके लहू की शक्ति

हम उसके लहू की शक्ति का सम्बन्ध नये नियम (या नई वाचा; मत्ती 26:26-28; 1 कुरिन्थियों 11:25, 26; इब्रानियों 13:20) *के साथ देखते हैं*। नये नियम की हर बात मसीह के लहू से लथपथ है। वचन पढ़ने पर जब आप को मसीह नहीं मिलता तो इसका अर्थ यह है कि आप उसे गलत पढ़ रहे हैं। हाबिल का लहू ज़मीन में से परमेश्वर को पुकार रहा है (उत्पत्ति 4:2-12; मत्ती 23:35; लूका 11:51)। यीशु का लहू हाबिल के लहू से उत्तम बातें बताता है (इब्रानियों 12:24)। लहू की ''सुनें'' (इब्रानियों 9:11-22)!

नये नियम की कलीसिया को बनाने में हम उसके लहू की सामर्थ को देखते हैं (प्रेरितों 20:28; इफिसियों 5:25-28)। मूसा की व्यवस्था के अधीन बलिदान के लाखों पशु और पक्षी भेंट कर दिए जाते थे, परन्तु मनुष्य का पाप फिर भी ज्यों का त्यों बना रहता था। आप को अच्छा नहीं लगता कि आज हम ऐसे प्रबन्ध के अधीन नहीं है? पशुओं का लहू एक वर्ष के लिए पापों को टाल कर कुछ समय खरीद नहीं सकता था। मसीह के लहू ने एक तेजस्वी वस्तु अर्थात कलीसिया को खरीद लिया!

पुराना नियम कहता है कि प्राण लहू में है (लैव्यव्यवस्था 17:11, 14)। यीशु ने हमें हमारे पापों से छुड़ाने के लिए अपना लहू दे दिया (प्रकाशितवाक्य 1:5)। वह पृथ्वी पर हमारे लिए मरा ताकि हम उसके साथ स्वर्ग में सदा के लिए जीवित रह सकें (1 थिस्सलुनीकियों 5:10)।

किसी वस्तु का मूल्य उसके महत्व से बढ़ता है। यीशु ने अपनी कलीसिया को इतना महत्व दिया कि वह इसे अपने लहू से खरीदने को तैयार हो गया (देखें प्रेरितों 20:28)। अपनी सब कमियों के बावजूद स्थानीय कलीसिया आज भी पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली समूह है। कलीसिया का महत्व कम करने का अर्थ यीशु के लहू का अपमान करना है।

नये नियम के भोज में हम उसके लहू की सामर्थ को देखते हैं (प्रेरितों 2:42; 1 कुरिन्थियों 10:16-21; 11:24-30)। एक ही मार्ग, एक ही देह (कलीसिया), एक ही रोटी, एक ही लहू, एक ही भोज और एक ही जीवन है! लहू क्रूस का प्रतिफल और क्रूस की असीमित शक्ति है। प्रभु का भोज मसीह के वापस आने तक उसकी मृत्यु का प्रचार करता है (1 कुरिन्थियों 11:26)।

ग्रेट कमीशन के बपतिस्मे में हम लहू की सामर्थ को देखते हैं (रोमियों 6:1-5; गलातियों 3:26, 27; कुलुस्सियों 2:12)। यूहन्ना ने कहा कि आत्मा, पानी और लहू तीनों हैं जो पृथ्वी पर गवाही देते हैं (1 यूहन्ना 5:3-8)। बपतिस्मे में पापियों को क्रूस वाला मसीह पहनाया जाता है। उसका लहू ही है जो हमें स्वर्ग में प्रवेश का अधिकार दिलाता है।

संसार बिना लहू के, बिना बाइबल के, बिना कलीसिया के, बिना प्रभु भोज के और बिना बपतिस्मे के उद्धार चाहता है। यह परमेश्वर की योजना नहीं है! हमारा उद्धार यीशु के लहू के द्वारा ही है!

क्रूस ...
और मार्ग ही नहीं है!

टिप्पणियां

[1]राबर्ट कोलमैन, ''द गॉस्पल ऑफ़ ब्लड'' (http://www.preaching.com/preaching/pastissues/robertcoleman.htm;internet; 1 दिसंबर 2006 को देखा गया)।